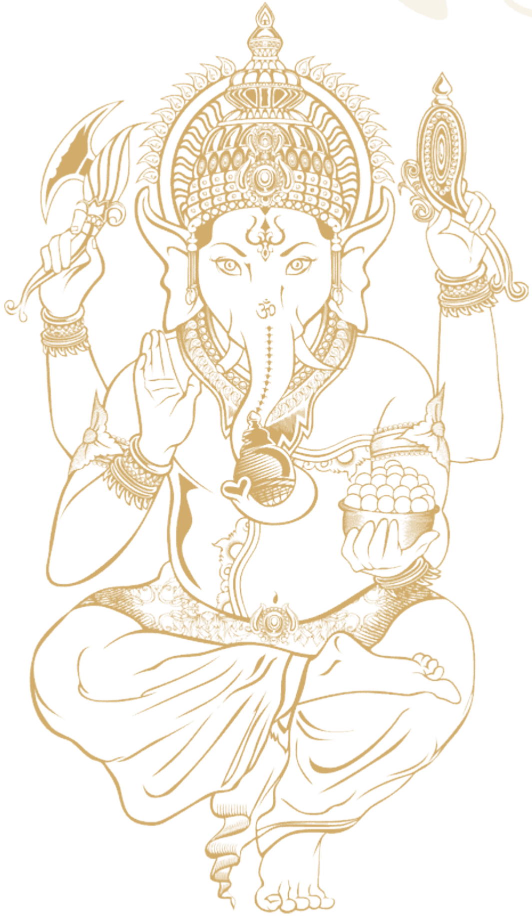

J

21 May 1997

03:28 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120913303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/05/1997**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**15:28:00 घंटे**
इष्ट	25:01:14 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:06:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:27 घंटे
साम्पातिक काल	07:03:12 घंटे
सूर्योदय	05:27:30 घंटे
सूर्यास्त	19:08:17 घंटे
दिनमान	13:40:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	06:34:03 वृष
लग्न के अंश	20:04:53 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	परिघ
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुकाराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	20:04:53	316:35:26	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	---
सूर्य			वृष	06:34:03	00:57:41	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	24:43:51	13:01:41	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल			सिंह	26:02:52	00:14:55	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	मित्र राशि
बुध			मेष	11:29:42	00:52:22	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
गुरु			मक	27:30:48	00:03:40	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	नीच राशि
शुक्र			वृष	19:19:03	01:13:37	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	स्वराशि
शनि			मीन	22:28:50	00:06:07	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	02:58:21	00:08:45	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	02:58:21	00:08:45	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	14:49:33	00:00:24	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप	व		मक	06:02:14	00:00:37	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	10:31:15	00:01:38	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	---
दशम भाव			मिथु	20:44:02	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:11

लग्न-चलित

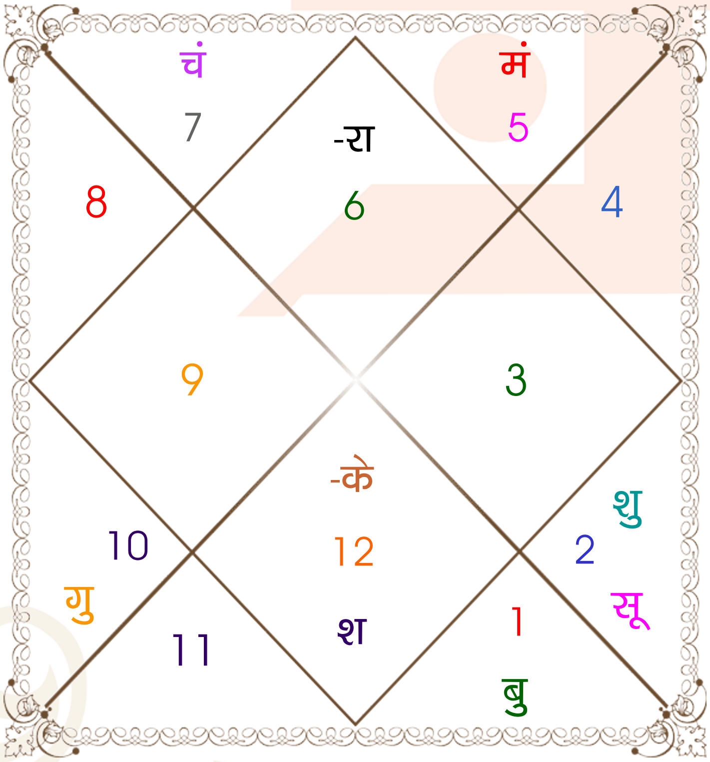

चन्द्र कुंडली

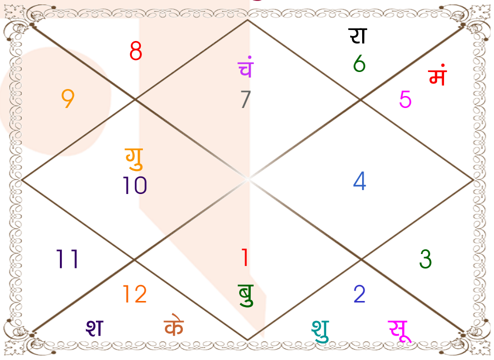

नवमांश कुंडली

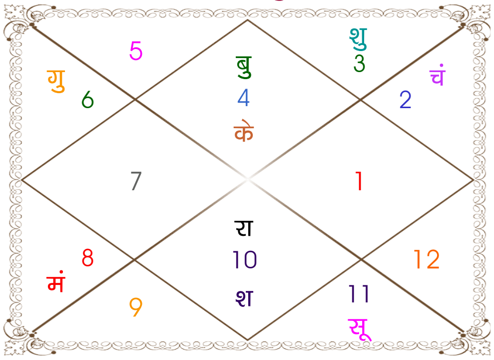

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 10 वर्ष 3 मास 26 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
21/05/1997		17/09/2007		16/09/2026		17/09/2043		16/09/2050	
17/09/2007		16/09/2026		17/09/2043		16/09/2050		16/09/2070	
	00/00/0000	शनि	19/09/2010	बुध	12/02/2029	केतु	13/02/2044	शुक्र	16/01/2054
	21/05/1997	बुध	30/05/2013	केतु	09/02/2030	शुक्र	14/04/2045	सूर्य	16/01/2055
बुध	23/08/1998	केतु	08/07/2014	शुक्र	10/12/2032	सूर्य	20/08/2045	चंद्र	16/09/2056
केतु	30/07/1999	शुक्र	07/09/2017	सूर्य	17/10/2033	चंद्र	21/03/2046	मंगल	16/11/2057
शुक्र	30/03/2002	सूर्य	20/08/2018	चंद्र	18/03/2035	मंगल	17/08/2046	राहु	16/11/2060
सूर्य	16/01/2003	चंद्र	20/03/2020	मंगल	14/03/2036	राहु	04/09/2047	गुरु	18/07/2063
चंद्र	17/05/2004	मंगल	29/04/2021	राहु	02/10/2038	गुरु	10/08/2048	शनि	16/09/2066
मंगल	23/04/2005	राहु	05/03/2024	गुरु	06/01/2041	शनि	19/09/2049	बुध	17/07/2069
राहु	17/09/2007	गुरु	16/09/2026	शनि	17/09/2043	बुध	16/09/2050	केतु	16/09/2070

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
16/09/2070		16/09/2076		16/09/2086		16/09/2093		18/09/2111	
16/09/2076		16/09/2086		16/09/2093		18/09/2111		00/00/0000	
सूर्य	04/01/2071	चंद्र	17/07/2077	मंगल	13/02/2087	राहु	29/05/2096	गुरु	05/11/2113
चंद्र	06/07/2071	मंगल	15/02/2078	राहु	02/03/2088	गुरु	23/10/2098	शनि	18/05/2116
मंगल	10/11/2071	राहु	17/08/2079	गुरु	06/02/2089	शनि	30/08/2101	बुध	22/05/2117
राहु	04/10/2072	गुरु	16/12/2080	शनि	18/03/2090	बुध	18/03/2104		00/00/0000
गुरु	23/07/2073	शनि	17/07/2082	बुध	15/03/2091	केतु	06/04/2105		00/00/0000
शनि	05/07/2074	बुध	17/12/2083	केतु	11/08/2091	शुक्र	06/04/2108		00/00/0000
बुध	12/05/2075	केतु	17/07/2084	शुक्र	10/10/2092	सूर्य	28/02/2109		00/00/0000
केतु	17/09/2075	शुक्र	18/03/2086	सूर्य	15/02/2093	चंद्र	30/08/2110		00/00/0000
शुक्र	16/09/2076	सूर्य	16/09/2086	चंद्र	16/09/2093	मंगल	18/09/2111		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 10 वर्ष 3 मा 10 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म हस्त नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय पर मेदिनीय क्षितिज पर कन्या लग्न के साथ-साथ कर्क राशि का नवमांश एवं वृषभ राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। प्रस्तुत समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव इस विन्दु की संभावना व्यक्त करता है कि आपका जीवन एक प्रस्तर चक्र के समान शोभनीय है जो सदैव एक परत से दूसरी परत तक परिवर्तित होता रहता है। अर्थात् आप काम को बदल-बदल कर सम्पादन करते रहते हो। आपकी महत्वकांक्षा है कि आपके नाम बैंक में मोटी रकम जमा रहे। परन्तु आप अपनी महत्वकांक्षा के प्रति अनिवार्य रूप से चिन्तन करना आवश्यक नहीं समझते हैं। लेकिन आप अपनी पहुँच के बारे में अच्छी प्रकार अध्ययन नहीं कर पाते कि आखिर आपकी पहुँच कहाँ तक है।

आपकी ऐसी आदत है कि आप अपने स्तर पर अनिवार्य अधूरे कार्य को त्याग कर नये कार्य प्रभार को ग्रहण कर लेते हो। यह साहसिक कार्य आपके लिए सदैव लाभदायक नहीं रहता है। क्योंकि आप वैद्यानिक रूप से यह निर्णय नहीं कर पाते हैं।

परन्तु प्रायः आप अस्वाभाविक रूप से बुद्धि को प्रेरित कर अपनी कार्य योजना का विकल्प की तलाश करने लगते हैं। यदि आप विशेषता पूर्वक निर्णय लेकर पूर्ण रूपेण सक्रिय हो जाएं तो आप पूर्ण लाभ प्राप्त करेंगे।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप अपने विचारों को अत्यनत संकट ग्रस्त मोड़ दे देते हों। इस कारण ऐसा घटित हो सकता है कि आपके मित्र अथवा व्यवसायिक सहयोगी निरन्तर आपकी कमजोरी के सम्बन्ध में सदैव आलोचना करें। इस प्रकार वे लोग आपको पूर्ण रूपेण तिरस्कृत कर दें। परिणाम स्वरूप वे लोग इस सम्बंध में प्रयास करके आपके विरूद्ध न्यायालय में आपकी त्रुटि को उजागर करे। अतः आपको धैर्य पूर्वक अपनी उस आपतिजनक गुर्राने की आदतों को सदा के लिए त्याग देना चाहिए। आपको नाना प्रकार की घरेलू विषयक दुर्बलता का भी त्याग कर देना चाहिए। अन्यथा वातावरण दुषित हो जायगा। वास्तव में आपको अत्यन्त ही आरामदायक भवन तथा गृहणी चाहिए जो हर हालत में प्रेम सम्बंध प्रदान करते हुए आपका समर्थन एवं सहयोग करे।

आप विपरीत योनि के प्रति आकर्षित तथा सम्बंधित व्यग्रता या घबराहट उत्पन्न करने वाली रोग प्रणाली के प्रति सतर्कता बरते। ये दोनों रोग उच्चस्तरीय स्पन्दित है। यदि आप पूर्व सतर्कता नहीं बरत सके तो आप इन रोगों से ग्रसित एवं प्रभावित हो जाएंगे। आप को वृद्धावस्था की प्राप्ति होगी। आप को भोजन के अतिरिक्त शाक-सब्जी का भोज्य करने के उपरान्त सम्बंधित रोगों के भार से मुक्त हो जाएंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सूआपंखी, पीला, हरा एवं सफेद रंग भाग्यशाली एवं प्रभावक हैं। कृपया काला रंग लाल एवं नीला रंगों का त्याग करें।

आपके लिए अनुकूल संभावित एवं स्पष्ट अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। इन तारीखों को महत्वपूर्ण समझें। अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।